Tirupati Balaji Group / Established 2009 / Ghaziabad
R.N.I. No.UPBIL/2009/28691, DAVP Code : 101473

Page 8 / Price Rs. 2.00 / Ghaziabad, Sunday, 14th May 2017
Postal Registration No. UP/GBZ-80/2016-18

TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Vol / Year-8 Issue - 49

Hindi / English (Bi-Lingual) Weekly Ghaziabad

dUn ,o m0i0 ljdkj }kjk foKkiu gsrq ekU;rk izkIr

www.tbcgzb.com

News of the week

,d tqykbZ 2017 ls iLrkfor th,lVh ykxw gksus ds ckn Qku ij ckr djuk egaxk gks tk,xkA blds vykok ,Vh,e o vU; cSfdax lsokvksa dk pktZ vkSj cheka izhfe;e Hkh c<+ tk,xkA njvly th,lVh dh pkj vyx&vyx njsa r; dh xbZ gSaA

Inside Ghaziabad

ist ucj&nks यहां भी हो सकती है मथुरा जैसी घटना

ist ucj&ikap High tension for visitors as power lines tower...

TIRUPATIEYE

नगर निगम के निलंबित 21 कर्मचारी हुए बहाल

xkft;kckn% नगर निगम में वेतन वृद्धि को लेकर धरना प्रदर्शन करने वाले निलंबित 21 कर्मचारियों को बहाल कर दिया गया है। यह जानकारी देते हुए उपनगरायुक्त डीके सिन्हा ने बताया कि सफाई नायक जय प्रकाश, महेश व रवि को बहाल किया गया है, इनके अलावा कार्यवाहक वाहन चालक सुभाष, सफाई कर्मचारी संजय, इकराम, किरनपाल, हरेंद्र, प्रदीप, जफरियाजुद्दीन, सुरेश, सुरेश द्वितीय, अजीत, सलीम अब्बासी, सतीश को बहाल किया गया, इसके पहले पांच कर्मचारियों को बहाल किया जा चुका था। बता दें कर्मचारियों ने वेतन वृद्धि की मांग करते हुए न सिर्फ धरना प्रदर्शन किया था, बल्कि नगरायुक्त का पुतला फूंकने के साथ ही नगर निगम कार्यालय में कूड़ा भी बिखेर दिया था, इसके बाद इमरजेंसी कार्यकारिणी बैठक बुलाकर वेतनवृद्धि का प्रस्ताव पास किया था, इसके बावजूद धरना देने वाले कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया था।

एसडीएम ने सुनी आपत्तियां

xkft;kckn% बुधवार को एसडीएम अतुल कुमार की अध्यक्षता में तहसील सभागार में सभासदों, पूर्व सभासदों एवं गणमान्य लोगों की बैठक संपन्न हुई। इस दौरान लोगों ने नए परिसीमन को लेकर एसडीएम के समक्ष अपनी आपत्तियां दर्ज कराई। जिनका एसडीएम ने जांच कराने का आश्वासन दिया। एसडीएम अतुल ने बताया कि नए परिसीमन को लेकर कई वार्डों के सभासदों ने अपनी आपत्तियां दर्ज कराई हैं। जिनकी जांच कराने के आदेश दिए गए हैं। कई सभासद ऐसे भी थे, जिन्होंने वार्ड परिसीमन को लेकर संतोष जाहिर किया। इस मौके पर नायब तहसीलदार अभिषेक शाही, अर्चना शर्मा, मोदीनगर पालिका ईओ अनुज कौशिक, निवाड़ी ईओ प्रदीप कुमार, फरीदनगर एवं पतला ईओ भी मौजूद रहे।?

बिल्डरों को दिए मकानों की सूची जारी करने के निर्देश

xkft;kckn% जीडीए सचिव रविंद्र गौड़बोले ने बुधवार को बिल्डरों के साथ बैठक कर पांच हजार ईडब्लूएस और एलआइजी फ्लैट की सूची सौंपने के निर्देश दिए हैं। इंटीग्रेटेड और हाइटेक बिल्डिंग बनाने वाले छह बिल्डरों ने जीडीए की योजना के तहत फ्लैटों का निर्माण कराया था। जीडीए सचिव ने एक सप्ताह में सूची सौंपने के निर्देश दिए है, जिससे योजना के तहत तैयार कराए गए मकानों का ड्रा कराया जा सके।

रात में लगाए यूनिपोल, टांग दिया कोर्ट स्टे

lhvkbZ,l,Q jksM bfnjkiqje dk ekeyk] pkgdj Hkh ugha gVk ik jgk fuxe

xkft;kckn% सोमवार रात करीब डेढ बजे सीआईएसएफ रोड सुनसान। कुछ लोग एक जेसीबी लेकर सीआईएसएफ रोड पर एक यूनिपोल को लगा रहे है। करीब आधा घंटे की मशक्कत के बाद वे यूनिपोल को डिवाइडर पर कनावनी पुलिस चौकी के निकट लगाने में सफल हो जाते है। तभी एक युवक यूनिपोल पर एक प्लेट लगाता है उस पर कोर्ट का स्टे आर्डर लगा देता है। कोर्ट स्टे आदेश 22/03/2017 न्यायालय सिविल जज सीडी, गाजियाबाद वाद संख्या 1000/16 है। ऐसा कोई सीआईएसएफ रोड पर ही नहीं रात के अंधेरे में मोहन नगर व वसुंधरा जोन में कई स्थानों पर होता है।

ठेकेदार के कुछ कर्मचारी रात में अवैध यूनिपोल को लगाते है और उन पर कोर्ट का स्टे ऑर्डर लगा देते है। ताकि नगर निगम चाहकर भी इन पर कार्रवाई न कर सकें। यदि इनकी जांच की जाए तो ऐसे अवैध यूनिपोल की संख्या सैकड़ों में है। कोर्ट स्टे एक स्थान का लेकर दूसरे स्थान पर यूनिपोल को लगाकर स्टे आर्डर की प्लेट लगा दी जाती है। यह खेल नगर निगम की मिलीभगत से चलता है। इतना ही नहीं नवयुग मार्केट, लिंक रोड, जीटी रोड पर हर तीसरे यूनिपोल पर आपको कोर्ट स्टे का आर्डर टंगा दिखाई देगा। जिन पर विज्ञापन बदलते रहते है। इन अवैध यूनिपोल पर

lhvkbZ,l,Q jksM ij yxs ;fuiky ij yxh IysV ftl ij yxk gS dksVZ dk LVs vkMZjA bu ij Bsdsnkj }kjk foKkiu cnyrs jgrs gSaA tcfd dksVZ LVs gksus ij tks foKkiu yxk gS mls ugha gVkuk pkfg,A

नगर निगम कोई ध्यान नहीं दे रहा है। जिससे ठेकेदार जमकर काली कमाई कर रहे है।

vkjVhvkbZ ds rgr ekaxh lwpuk

सराय नजर अली निवासी डा. धीरज कुमार भार्गव व करहैड़ा कालोनी निवासी सुंदर सिंह ने नगर निगम से शिकायत कर इस मामले का पर्दाफाश करने की मांग की है। इतना ही नहीं डा.धीरज कुमार भार्गव ने आरटीआई के तहत मोहन नगर जोन, वसुंधरा जोन, कविनगर जोन, सिटी जोन में लगे होर्डिंगों की संख्या के साथ ही उनका साइज व प्रतिवर्ष होर्डिंगों से होने वाली आय के बारे में पूछा है। जिसका जवाब दो सप्ताह बाद भी नहीं मिला है। इसके अलावा सुंदर सिंह ने नगर निगम में आरटीई से सूचना मांगी है कि वर्ष 2010 से 31 मार्च 2017 तक जनपद में कितने होर्डिंग लगाने की अनुमति दी गई। वर्षवार विवरण उपलब्ध कराएं, अवैध होर्डिंगों को हटाने की कार्रवाई कब–कब की गई और कितने होर्डिंग हटाए गए। वर्ष 2010–11, वर्ष 2011–12, वर्ष 2012–13, वर्ष 2013–14, वर्ष 2014–15, वर्ष 2015–16, वर्ष 2016–17 में जनपद में लगे होर्डिंगों से नगर निगम को कितनी आय हुई। इसका वर्षवार विवरण मांगा है। वहीं नगर निगम के प्रत्येक जोन में होर्डिंग का ठेका किसके पास है। उस ठेकेदार का नाम, ठेका देने व समाप्ति की तिथि, प्रत्येक जोन में कितने का ठेका छूटा सहित पूरा विवरण भी मांगा है।

डीएम ने किया एमएमजी जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण

xkft;kckn% जिला एमएमजी अस्पताल में बुधवार को डीएम मिनिस्ती एस. ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीएमओ के गैरहाजिर रहने पर वेतन रोकते हुए डीएम ने स्पष्टीकरण तलब किया है। अव्यवस्थाएं देख भड़कीं डीएम ने सफाईकर्मी को सस्पेंड करने का आदेश देते हुए कई दिन से अनुपस्थित महिला चिकित्सक का वेतन रोकते हुए जवाब मांगा है। साथ ही व्यवस्थाएं जल्द पटरी पर नहीं आने पर कार्यवाही की चेतावनी दी है। बुधवार सुबह डीएम मिनिस्ती एस. एमएमजी जिला चिकित्सालय पहुंच गईं। यहां उन्होंने महिला अस्पताल में पूरे परिसर समेत विभिन्न वार्डों व ऑपरेशन रूम का निरीक्षण किया। डीएम ने मरीजों से सीधे बात कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान सीएमओ अजेय अग्रवाल के नदारद रहने पर डीएम ने कड़ी आपत्ति जाहिर की। डीएम ने सीएमओ का वेतन रोकने के साथ ही स्पष्टीकरण तलब किया। अवकाश स्वीकृत कराए बिना गैरहाजिर मिलने पर डीएम ने एक नियमित सफाईकर्मी को निलंबित करने के आदेश दिए। चिकित्सालय में

तैनात एकमात्र महिला सर्जन अनुपस्थित मिलीं। पता करने पर बताया गया कि वह रविवार से नहीं आई हैं और न ही उनका कोई अवकाश आवेदन पत्र ही मिला। इसके चलते ऑपरेशन के लिए महिला मरीजों को अन्यत्र भेजा जा रहा है। डीएम ने महिला चिकित्सक को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए वेतन रोकने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि एक सर्जन चिकित्सालय में 24 घंटे उपलब्ध रहने चाहिए। डीएम ने महिला अस्पताल की सीएमएस डा. दीपा त्यागी से अस्पताल में तैनात व छुट्टी पर चल रहे सभी श्रेणी के चिकित्सक–कर्मियों की सूची तलब की। निरीक्षण के दौरान डीएम ने भर्ती महिलाओं को दिए जा रहे भोजन की जानकारी ली तो बताया गया कि खिचड़ी दी जा रही है।

Fee hike: Parents seek panel report

Ghaziabad: More than 150 parents held a four-hour long symbolic strike outside the office of district magistrate, Ministhy S, on Sunday and demanded that a three-member district committee's recent report over the fee hike issue should be made public. The protesting parents also complained that the district administration has passed the buck to the state government over the issue. Navneesh Rana, one of the protesters, said the parents wanted an assurance that the schools in the district would not charge the hiked fees before the state government comes up with a decision. "The report and its findings should have been made public. We were waiting from May 11 hoping that our problems will be resolved by the administration. This has left us more confused instead," he said. The three-member investigation panel had shared a report over

the fee hike issue with the administration on May 11 following relentless protests by parents. Meanwhile, Ministhy S, district magistrate of Ghaziabad told TBC that she had repeatedly reminded the parents that she had already raised the issue with CBSE and the chief minister's office. "If the state government is already looking into the policy loopholes, independent decisions cannot be taken in different districts. The only other way for parents is to approach the court of law," she asserted. Seema Tyagi, one of the leading protesters, said that Sunday's protest was only symbolic in nature and the parents are ready to expand their protest if they do not get a satisfactory response.

नलकूप न चलने पर किया हंगामा

xkft ;kckn% नंदग्राम में दो पानी के नलकूपों के रिबोर कराने की मांग को लेकर लोगों ने महापौर के सामने हंगामा किया। शाम के समय विकास कार्यों का उद्घाटन करने पहुंचे थे। वहां पर मौजूद लोगों ने कहा कि बिजली कटौती के चलते लोगों को पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है, इसके अलावा पंप पर कार्यरत कर्मचारी समय पर मोटर नहीं चलाते हैं, इससे लोगों को पानी की समस्या से जूझना पड़ता है। महापौर आशु वर्मा ने लोगों की समस्याएं निस्तारित करते हुए कहा कि जिन नलकूपों पर बिजली के कारण मोटर संचालित नहीं हो पा रहे हैं, वहां पर जनरेटर लगाए जाएं। जांच करने पर पता चला कि एफ ब्लॉक में बिना मोटर के संचालित हो जाएगा, जबकि ई ब्लॉक में जनरेटर लगा दिया। महापौर ने कहा कि जिन ब्लॉकों में रिबोर होने हैं या नए बोड्क्षरग कराए जाने की आवश्यकता है वहां पर अवस्थापना निधि से जल्द ही रिबोर और नई बोरिंग कराई जाएगी।

यहां भी हो सकती है मथुरा जैसी घटना

xkft ;kckn% लगता है कि गाजियाबाद पुलिस भी मथुरा में हुई सुनारों के साथ जैसी वारदात के इंतजार में बैठी है। यही कारण है कि मथुरा कांड से पुलिस ने कोई सीख नहीं ली है और पुलिस अपने पुराने ढर्रे पर चल रही है। जिले के मुख्य बाजारों व भीड़भाड़ वाले इलाकों में न तो महिला सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं और न ही व्यापारियों की सुरक्षा की योजना तैयार की गई है। मथुरा में हुई वारदात के बाद बुधवार को रिपोर्टर ने शहर के मुख्य बाजारों में जाकर पुलिस व्यवस्था की हकीकत जानने की कोशिश की तो हकीकत दावों से काफी परे दिखाई दी। सतर्कता के नाम पर पुलिस बाजारों से गायब दिखाई दी। किसी भी बाजार में पुलिस की गश्त नाममात्र के लिए भी दिखाई नहीं दी। यह हाल तो तब है जब प्रदेश में योगी सरकार व्यापारियों व महिला सुरक्षा को प्राथमिकता में लेकर काम कर रही है। इसके बावजूद गाजियाबाद में यह प्राथमिकता जीरो दिखाई दी। अंबेडकर रोड व तुराबनगर जिले के मुख्य बाजारों में शुमार है। तुराबनगर बाजार महिलाओं व अंबेडकर रोड नामीग्रामी कंपनियों व ज्वैलरी शोरूम के लिए प्रसिद्ध है। बुधवार को इन दोनों बाजारों में पुलिस नदारद दिखाई दी। बाजारों में चहल–पहल थी और बड़ी संख्या में लोग खरीददारी के लिए आ रहे थे लेकिन न तो मौके पर पुलिस की कोई भी गाड़ी मौजूद थी और न ही पुलिसकर्मी। सिहानी गेट बाजार भी कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक आइटम व अन्य शोरूमों के लिए विख्यात है। यहां भी प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए आते हैं। सिहानी गेट से सटे हुए नवयुग मार्केट में बड़ी संख्या में बैंक मौजूद है। बुधवार दोपहर दोनों बाजारों में पुलिस दिखाई नहीं दी। सिहानी गेट बाजार में नवयुग मार्केट चौकी पर तो कुछ पुलिसकर्मी मौजूद थे लेकिन सड़कों पर पुलिस दिखाई नहीं दी। चौपला बाजार जिले का मुख्य सर्राफा बाजार है। यहां छोटे बड़े सुनारों की दुकाने हैं और प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए आते हैं। पूर्व में यहां कई बड़ी आपराधिक वारदात भी हो चुकी हैं। बुधवार दोपहर यहां भी पुलिस पूरी तरह से गायब दिखाई दी। न तो पुलिस की गश्त थी और न ही आसपास कोई भी पुलिसकर्मी मौजूद था। इसके चलते यहां भी बदमाश कभी भी किसी वारदात को अंजाम दे सकते हैं। एसएसपी हरिनारायण सिंह का कहना है कि जिले के मुख्य बाजारों में पुलिस को लगातार गश्त के निर्देश दिए गए हैं। सुबह 10 से दोपहर दो बजे तक पुलिस बैंक ड्यूटी में व्यस्त रहती है, इसके साथ ही पुलिस को सतर्क रहने के लिए कहा गया है।

fotrk VkQh ij iFkj dk dCtk

xkft ;kckn% लोहा विक्रेता मंडल द्वारा आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच स्टील पैंथर और स्टील वॉरियर के बीच एबीईएस इंजीनियरिंग कालेज के मैदान पर खेला गया। रोमांच से भरे मैच में स्टील पैंथर ने जीत हासिल कर ट्राफी पर कब्जा किया। टॉस जीतकर स्टील पैंथर के कप्तान अतुल जैन ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। सलामी जोड़ी के आउट होने के बाद अखिलेश जैन ने 38 रन की पारी खेलकर टीम को संभाला। उनके अलावा सिद्धांत और रवि जैन ने 17–17 और शुभम जैन ने 29 रन का योगदान दिया। स्टील पैंथर की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट पर 166 रन का स्कोर खड़ा किया। स्टील वॉरियर की तरफ से हर्ष ने तीन और आशीष, अर्चित ने 2–2 विकेट लिए। जवाब में स्टील वॉरियर की टीम बुरी तरह से लडखड़ा गई। उसके शुरुआती पांच बल्लेबाज 32 रन के स्कोर पर आउट हो गए। मध्यमक्रम में मधुर ने 42 और अनिकेत ने 17 रन बनाकर टीम को संभाला लेकिन जीत के लिए दोनों के प्रयास नाकाफी थे।

गरीबों के निवाले पर डाके के खिलाफ भड़के

xkft ;kckn% शहर के विभिन्न इलाकों के बाशिंदों ने बुधवार को सीपीएम और माकपा के बैनर तले प्रदर्शन कर राशन की कालाबाज. ारी का आरोप लगाते हुए गरीबों को राशन मुहैया कराने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने डीएम को ज्ञापन सौंपकर कार्यवाहीं की मांग की। बुधवार को माकपा नेता बृजेश ड्क्षसह के नेतृत्व में दज. र्नों लोग कलक्ट्रेट पहुंचे। यहां कलक्ट्रेट के सामने प्रदर्शन करते हुए गरीबों के राशनकार्ड बनाने कर राशन मुहैया कराने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि कुछ राशनडीलर सस्ती दरों पर मिलने वाले खाद्यान्न व अन्य जरूरी सामानों की कालाबाजारी कर रहे हैं। उन्होंने डीएम से कार्यवाही की मांग की। संजो, बबली, रामकिशन, सतीश, कालू, हरभजन आदि समेत दर्जनों लोग शामिल रहे।

कूड़े के ढेर में आग से खाक हुई दो बस

xkft ;kckn% संजयनगर बस अड्डे में खड़ी दो बस पास में जल रहे कूड़े की चपेट में आग गई और दोनों में आग लग गई। मौके पर पहुंची दमकल की दो गाडियों ने आग पर बमुश्किल काबू पाया लेकिन तब तक बस काफी हद तक जल चुकी थी। घटना कविनगर थाना क्षेत्र की है। गोविंदपुरम निवासी भगवती प्रसाद शर्मा की बस एएलटी से आनंद विहार के बीच चलती है। मंगलवार रात बस संजयनगर बस अड्डे पर खड़ी हुई थी। इस दौरान पास में कूड़े में आग लग रही थी। आग धीरे–धीरे बढ़कर बसों तक पहुंच गई और दोनों बसों में आग लग गई। आग की लपटें उठती देखकर आसपास के लोगों ने रात 12 बजे दमकल विभाग को सूचना दी।

कैंप लगाकर जांच की गई

xkft ;kckn% इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे के अवसर पर बुधवार को शहर के 20 स्थानों पर कैंप लगाकर ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर की जांच की गई।

प्रेजिडेंट डॉ. राजीव गोयल ने बताया कि डॉ. वी. बी. ड्क्षजदल, डॉ. राम कपूर, डॉ. सुभाष अग्रवाल, डॉ. वाई. पी. ड्क्षसघल, डॉ. एच. एच. डी. भारद्वाज, डॉ. दीपक अग्रवाल, डॉ. राजीव गोयल, डॉ. के. एम. सिंह, डॉ. मधु पोद्दार, डॉ. फैज अहमद, डॉ. पंकज अग्रवाल व डॉ. प्रह्लाद चावला ने अपने–अपने क्लीनिक पर बुधवार सुबह 9–12 तक ब्लड प्रेशर की जांच की गई। इस दौरान 900 से अधिक लोगों की जांच की गई, जिनमें से 350 लोगों में हाइपरटेंशन की समस्या पाई गई। वहीं सुबह के समय ही छह पार्कों में भी अलग–अलग टीम ने ब्लड शुगर की जांच की गई। इस दौरान 100 लोगों की जांच हुई, जिनमें से 28 लोगों का शुगर ज्यादा पाया गया।

क्षतिग्रस्त डिवाइडरों को दुरूस्त कराने पर नहीं है सरकारी अमले का ध्यान

xkft ;kckn% दिल्ली–मेरठ हाईवे के बीच में क्षतिग्रस्त पड़े डिवा. इडरों को दुरूस्त कराने के लिए सरकारी अमले का कोई ध्यान नहीं है। जबकि इनके कारण हाईवे पर हादसों में दिन प्रति. दिन इजाफा हो रहा है। क्षतिग. स्त डिवाइडर हाईवे पर जाम का भी बड़ा कारण बन रहे हैं। दिल्ली–मेरठ हाईवे के बीच में बने डिवाइडर लंबे समय से क्षतिग्रस्त हुए पड़े हैं। कहीं–कहीं स्थानीय लोगों ने इन्हें अपनी सुविधा के हिसाब से तोड़कर आवाजाही का रास्ता बना लिया है, जबकि कुछ तेज रफ्तार वाहनों की टक्कर से टूट चुके हैं। इसी के चलते मोद. ीनगर मुरादनगर में हादसे भी होते रहते हैं। हादसों के साथ–साथ क्षतिग्रस्त डिवाइडर हाईवे पर जाम लगने का भी बड़ा कारण बन रहे हैं। लेकिन इस समस्या की तरफ सरकारी मशीनरी का कोई ध्यान नहीं है। हर साल कांवड़ मेले में क्षतिग्रस्त डिवाइडरों पर बल्ली बांधकर ट्रैफिक वनवे किया जाता है। इसमें पालिका का लाखों का खर्च आता है। यदि डिवाइडरों को स्थाई रूप से दुरूस्त करा दिया जाए तो डिवाइडर कांवड़ यात्रा में भी मददगार साबित होंगे। पालिका का लाखों का खर्च भी होने से बच. गा और समस्या का स्थाई समाधान होगा। एसडीएम मोदीनगर अतुल कुमार का कहना है कि हाईवे के बीच में क्षतिग्रस्त पड़े डिवाइडरों को दुरूस्त कराने के लिए ईओ से बात की गई है। कांवड़ यात्रा से पहले ही डिवाइडरों को दुरूस्त कराया जाएगा।

दिल्ली–मेरठ हाईवे पर फिर जाम से जूझे वाहन

xkft;kckn% दिल्ली–मेरठ हाईवे पर दो दिन से जाम की स्थिति में कोई सुधार नहीं आ रहा है। वाहनों की अधिकता एवं भारी संख्या में ट्रकों के आ जाने से बुधवार को सौंदा कट के पास भयंकर जाम लग गया। इससे राहगीरों को भारी समस्या हुई। पुलिसकर्मी कटों पर तैनात नहीं रहने के कारण हाईवे पर यातायात व्यवस्था लगातार बिगड़ रही है। बुधवार दोपहर को हापुड़ की तरफ से एक साथ 10–12 ट्रक आ गए। ट्रकों के मेरठ की तरफ मुडने के चक्कर में हाईवे पर वाहनों की रफ्तार पर विराम लग गया। थोड़ी ही देर में हालत यह हो गई कि मेरठ से गाजियाबाद की तरफ जा रहे वाहनों की कतारें महेंद्रपुरी कट तक पहुंच गईं। गाजियाबाद की तरफ से आने वाले वाहनों को भी जाम से जूझना पड़ा। उधर भी जाम थाने के सामने तक पहुंच गया। इससे राहगीरों को भारी समस्या हुई। बस, ऑटो और अन्य वाहनों में सवार बच्चे, बूढ़े व महिलाओं को जाम के साथ भीषण गर्मी ने रूलाने का काम किया। जाम में फंसे राहगीरों ने सिस्टम के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली। लोगों का कहना था कि पुलिस–प्रशासन का जाम की तरफ कोई ध्यान नहीं है। यदि कटों पर पुलिसकर्मी तैनात कर दिए जाएं तो स्थिति को नियंत्रित किया जा सकता है। बता दें कि हाईवे पर दो दिन से दोबारा जाम की स्थिति बन रही है। इसके बावजूद पुलिस–प्रशासनिक अधिकारी चुप्पी साध रहे हैं। इस बारे में एसएचओ ध्रुवभूषण दुबे का कहना है कि हाईवे स्थित कटों पर पुलिसकर्मियों की डयूटी लगाई गई है। जाम की स्थिति से निपटने के लिए विशेष योजना बनाई गई है। राज चौपला कट के निकट विभिन्न क्लीनिक और प्रतिष्ठानों के सामने अवैध पार्किंग जाम का बड़ा कारण बन रही है। जब लोगों को जगह नहीं मिल पाती है तो वह अपने वाहनों को सड़क के बीच में ही खड़ा कर देते हैं, इसी के चलते स्थिति विकराल हो जाती है।

फैक्ट्रियों के ऑनलाइन पंजीकरण बन रहे हैं सिरदर्द

xkft;kckn% जिला उद्योग केंद्र से औद्योगिक इकाईयों को मिलने वाले पंजीकरण ऑनलाइन होने से रिहायशी क्षेत्रों में बोझ बढ़ रहा है। ऑनलाइन पंजीकरण के चलते कई रिहायशी क्षेत्रों में फैक्ट्रियां धड़ल्ले से खुल गई हैं, जिसका खामियाजा स्थानीय लोगों को उठाना पड़ रहा है। इस मामले पर अधिकारियों का कहना है कि रिहायशी क्षेत्रों में खुलने वाली इकाईयों की जांच कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। ऑनलाइन पंजीकरण के दम पर फैक्ट्री संचालक अन्य विभागों से एनओसी भी हासिल कर लेते हैं और फैक्ट्री लगाने में उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं होती। जिला उद्योग केंद्र द्वारा ऑनलाइन पंजीकरण होने वाली फैक्ट्रियों का भौतिक सत्यापन भी नहीं हो पाता। इस वजह से नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए धड़ाधड़ फैक्ट्री खुल पा रही हैं। खासकर मुरादनगर, मोदीनगर में रिहायशी क्षेत्रों में खुल रही औद्योगिक इकाईयां जिला उद्योग केंद्र और स्थानीय लोगों के लिए सिरदर्द बनी हुई हैं। अप्रैल महीने में जिला उद्योग केंद्र से 221 ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन लोगों ने कराए। विभाग से वर्ष 2016 में 4715 और वर्ष 2015 में 1239 लोगों ने औद्योगिक इकाईयों के लिए रजिस्ट्रेशन कराए। वर्ष 2015 के मुकाबले 2016 में रजिस्ट्रेशन की संख्या लगभग तिगुनी हो गई। इस तरह से खुल रही फैक्ट्री रिहायशी इलाकों के लिए खतरा भी हो सकती हैं। उपायुक्त उद्योग सिद्धार्थयादव का कहना है कि पहले औद्योगिक इकाईयों के आवेदन के बाद विभाग के एरिया मैनेजर क्षेत्र का सर्वे करते थे, इसके बाद ही सही स्थल और मानकों को देखकर पंजीकरण दिया जाता था। ऑनलाइन व्यवस्था होने से लोग इसका गलत फायदा उठा रहे हैं। ऑनलाइन पंजीकरण के बाद अन्य विभागों की एनओसी भी विभाग हासिल कर लेता है और इसकी जांच नहीं हो पाती। विभाग जल्द ही रिहायशी क्षेत्रों में चल रही औद्योगिक इकाईयों की जांच कराएगा। इसकी रिपोर्ट शासन को कराई जाएगी।

शासन ने गालंद में 18 एकड़ में प्लांट लगाने की दी स्वीकृति

xkft;kckn% गालंद में 18 एकड़ में वेस्ट टू एनर्जी का प्लांट लगाने की अनुमति दे दी है। 200 करोड़ की लागत से बनने वाले प्लांट को तैयार करने के लिए जल्द ही कूड़े से बिजली बनाने वाली फर्मों को आमंत्रित जाएगा। नए प्लांट से 15 सौ मीट्रिक टन कूड़े से 15 मेगावाट बिजली बनाई जा सकेगी, इससे दोहरा लाभ मिलेगा, एक तरफ शहर को कूड़े से निजात मिलेगी तो दूसरी तरफ बिजली की समस्या से निजात मिलेगी। गौरतलब है कि प्रतिदिन शहर से करीब एक हजार मीट्रिक टन कूड़ा निकल रहा है। स्थाई डंपिंग ग्राउंड की व्यवस्था नहीं होने से कूड़े के निस्तारण में बड़ी समस्या आ रही है। प्रताप विहार में बनाए गए अस्थाई डंपिंग ग्राउंड का विरोध होने व एनजीटी के आदेश के बाद शहर के कूड़े के निस्तारण के लिए गालंद में 18 एकड़ जमीन जीडीए द्वारा दी गई है। नगर आयुक्त अब्दुल समद का कहना है कि शासन ने प्लांट लगाने की स्वीकृति दे दी है। जल्द ही इस पर कार्य शुरू कराया जाएगा। प्लांट लगने से शहर को लोगों को कूड़े की गंदगी से निजात मिलेगी और बिजली उत्पादन से बिजली की किल्लत भी दूर होगी। लगभग दो सौ करोड़ की लागत से बनने वाले प्लांट को पीपीपी मॉडल पर तैयार किया जाएगा।

शासन के रडार पर आए सेल्स टैक्स विभाग के अफसर

xkft;kckn% नई तबादला नीति से जहां सालों से एक जगह जमे अफसरों की चूलें हिला दी हैं, वहीं एनसीआर में मलाई काट रहे सेल्स टैक्स विभाग के अफसरों की खास विदाई का इंतजाम शासन ने किया है। रडार पर आए सेल्स टैक्स विभाग के अफसरों के तबादले का फरमान सुनाते हुए नोएडा और गाजियाबाद में तैनात अफसरों को खासतौर से बुंदेलखंड के जिलों में भेजने को ताकीद किया है। शासन के निर्देश पहुंचते ही महकमे के अफसरों में हडकंप मच गया है। एनसीआर में तैनाती के लिए विभिन्न विभागों के अफसर साम, दाम, दंड, भेद की नीति अपनाने से भी नहीं चूकते। राष्ट्रीय राजधानी परिक्षेत्र में भी खासतौर से गाजियाबाद और नोएडा जिले अफसरों की पहली पसंद बने हैं। सपा सरकार में अफसरों ने मनचाही तैनाती पाकर खूब चांदी काटी। सेल्स टैक्स विभाग में गाजियाबाद–नोएडा में तैनाती के लिए सपा शासन में हुई मारामारी जगजाहिर है। गाजियाबाद में सेल्स टैक्स विभाग के दोनों जोन के तहत 19 खंडों में अपनी पहुंच और रसूख के चलते अधिकारियों ने पोस्टिंग हासिल की। मनचाही तैनाती पाने वालों में कई अधिकारी जहां सपा सरकार में मंत्री रहे माननीयों के रिश्तेदार हैं तो कई अधिकारियों के लखनऊ में बैठे उच्चाधिकारियों से घनिष्ट संबंध हैं। इसके चलते विभाग में कुछ अधिकारियों ने कमाऊ खंडों में तैनाती हासिल कर ली। शासन से तबादला नीति जारी होते ही वाणिज्य कर आयुक्त ने विस्तृत आदेश जारी कर विभागीय अफसरों की नींद उड़ा दी। इसके तहत विभागीय अफसर–कर्मियों को जिलों और मंडल में तीन वर्ष पूरे करने पर दूसरे जिलों और मंडलों में स्थानांतरित करने का फरमान सुनाते हुए सूची तलब की। वाणिज्य कर आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिले–जोन में तैनात अफसरों का पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिलों में तबादला किया जाएगा। इसमें भी विशेष तौर से नोएडा और गाजियाबाद का उल्लेख करते हुए यहां के अफसरों को बुंदेलखंड में तैनात करने का हुक्म सुनाया है। सचल दल में तीन बार से ज्यादा तैनाती नहीं : दिल्ली से रोजाना करोड़ों रुपये का माल गाजियाबाद के रास्ते उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में पहुंचता है। ऐसे में नोयडा–गाजियाबाद में तैनाती के साथ ही सचल दल में शामिल होने के लिए अफसर–कर्मी एड़ी–चोटी एक करते दिखे हैं। वाणिज्य कर आयुक्त ने जारी तबादला नीति में सचल दल में तैनाती के लिए भी नियम कड़े करते हुए बदलाव किया है। सचल दल में तैनात अधिकारियों की हर तीन महीने पर मुख्यालय से समीक्षा करने के निर्देश के साथ ही तीन बार पोड्क्षस्टग पा चुके अधिकारियों को चौथी बार सचल दल में नियुक्त नहीं करने का फरमान सुनाया है।

v,uykbu vkonu dj ldx

vQlj% विभागीय सूत्रों की माने तो शासन ने अंगद के पांव बने अफसरों और घाघ कर्मचारियों की सूची तैयार करनी शुरू कर दी है। ऐसे में राहत तलाश अफसरों के लिए ऑनलाइन आवेदन संजीवनी बन सकता है। वाणिज्य कर आयुक्त ने आदेश दिए कि स्थानांतरण के लिए नीति के तहत विभागीय अफसर आवेदन कर सकते हैं, लेकिन इसके लिए सिर्फ ऑनलाइन आवेदन ही करना होगा। इसमें तबादले के इच्छुक अफसर वरीयता के हिसाब से पांच जिलों का विकल्प दे सकेंगे। सूत्रों के मुताबिक, शासन से जल्द चलने वाले तबादले के तीर का निशाना बनने से बचने के लिए कई अफसर ऑनलाइन विकल्प पर गौर कर रहे हैं। एडिशनल कमिश्नर प्रदीप यादव का कहना है कि शासन की नीति के अनुसार ही विभाग में तबादले किए जाएंगे। जो भी शासन के निर्देश होंगे उनका निश्चित तौर पर पालन कराया जाएगा।

तलाक पीडिता के आदेश पर शौहर के चाचा व जीजा को बनाया बंधक

xkft;kckn% रावली रोड स्थित आर्यनगर कालोनी में शौहर द्वारा फोन पर नौ बार तलाक कहने से आहत पत्नी के आदेश पर शौहर के चाचा व जीजा को बंधक बना लिया गया। चाचा व जीजा तलाक के समर्थन में शरीयत समझाने के लिए पत्नी के घर पहुंचे थे। बाद में दोनों ने बंधनमुक्त होकर वधु पक्ष पर लाठी डंडों से हमला बोल दिया। पुलिस ने दोनों पक्षों से पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। बता दें कि राजपूत कालोनी निवासी बाबूद्दीन की बेटी अदा (19) का निकाह पांच मार्च को लोनी निवासी रिजवान के साथ हुआ था।

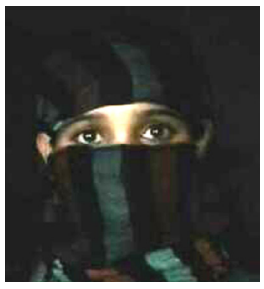

बाबूद्दीन ने अपनी हैसियत के मुताबिक दहेज दिया, लेकिन रिजवान इस दहेज से संतुष्ट नहीं था। 16 दिन पहले बाबूद्दीन अपनी बेटी अदा को लेने के लिए उसकी ससुराल लोनी गए थे। तभी दहेज को लेकर रिजवान ने अदा को तीन बार तलाक कह दिया। इसके बाद बाबूद्दीन अपनी बेटी को लेकर घर आ गए और उन्होंने किसी को तीन तलाक के बारे में कुछ नहीं बताया ताकि, इस बात को दबाया जा सके। मंगलवार शाम सात बजे अदा ने रिजवान के पास फोन किया, लेकिन रिजवान ने फोन पर कहा कि वह तीन तलाक दे चुका है और अब वह उसकी पत्नी नहीं रही। इस दौरान सबा ने तीन तलाक को गलत बताया तो रिजवान ने फोन पर अदा को दोबारा से एक सांस में नौ बार तलाक बोल दिया। इसके बाद तलाक से आहत अदा फूट फूटकर रोने लगी। तलाक की जानकारी मिलने पर अदा के घर पर काफी संख्या में लोग एकत्रित हो गए। इस बीच बाबूद्दीन ने रिजवान के परिजनों को फोन कर तलाक को गलत बताते हुए माफी मांगने के लिए कहा तो वह तलाक को जायज ठहराने लगे। तलाक के समर्थन में रिजवान का जीजा असलम व चाचा अमीरूद्दीन शरीयत समझाने अदा के घर आ पहुंचे। दोनों ने शरीयत का हवाला देते हुए अदा को रिजवान की दहलीज पर न लाने की नसीहत दी। इसी बात से गुस्साई अदा ने जीजा व चाचा को बंधक बनाने का फरमान सुना दिया। इसके बाद परिजनों ने दोनों को बंधक बना लिया। कुछ समय बाद जीजा व चाचा ने बंधनमुक्त होकर अदा के परिवार पर लाठी–डंडों से हमला बोल दिया। इस दौरान दोनों पक्षों में जमकर लाठी–डंडे चले। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों से पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। इस बारे में मरकज मस्जिद के इमाम मौलाना रिजवान ने कुछ भी बोलने से इन्कार किया है। कार्यवाहक थानाध्यक्ष सरताज का कहना है कि दोनों पक्षों के लोग एक दूसरे के साथ मारपीट कर रहे थे। पुलिस ने दोनों पक्षों से जमील, शकील, कमरूद्दीन, असलम व अमीरूद्दीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

Editorial

Gold shines: on reducing India's demand for gold

Prime Minister Narendra Modi's long-drawn-out effort to tackle the desire for gold does not seem to be bearing fruit. India's gold imports witnessed a huge jump in April, increasing threefold to $3.85 billion from $1.23 billion in April 2016. In March, the jump driven by jewellery demand was even higher as gold imports stood at $4.17 billion, compared to $974 million a year earlier. This suggests that Indian demand for gold is robust and that policymakers will have to continue worrying about its impact on the country's trade deficit for a long time to come. The trade deficit in April was $13.2 billion, the highest since November 2014, compared to $4.8 billion in the year-earlier period. The 20% increase in exports to $25 billion was overcome by a 49% increase in imports, which stood at $38 billion. The jump in gold demand is particularly significant given the many steps taken to reduce it in recent years. For instance, the demonetisation of high-value currency notes last November coincided with India's gold demand dropping to a seven-year low of 675 tonnes during 2016, according to the World Gold Council. Earlier, as part of his efforts to push Indians to decrease their gold purchases, Mr. Modi had introduced the gold monetisation scheme that aimed to reduce gold imports by using deposits to increase domestic supply. But, as of early 2017, the amount of gold that had been deposited under the scheme was less than 1% of overall gold demand in 2016.

It is no secret that Indians tend to favour gold over other income-generating financial assets. This has, for a long time, led to concerns about savings being wasted on a dormant metal instead of being invested in productive business activities. While such concerns may be valid, policymakers would do well by first tackling the issues that have explained the average Indian's preference for gold. The metal's predominant utility as a hedge against inflation, which protects the average investor lacking sophisticated financial acumen from a depreciating rupee, cannot be ignored. Ironically, the Centre's sudden demonetisation decision has possibly undermined confidence in the rupee as a store of value, adding to the yellow metal's attractiveness. Capital conservation is an important reason for investment in gold by Indian households. Gold's lure cannot be explained only as a reserve for illicit wealth or tax evasion. Access to better and more formal financial market instruments remains a pipe dream for the majority in a country where talk of financial inclusion remains at the level of opening a basic bank account. Any significant strides on this front will require structural reform of the financial sector that encourages more competition to spur financial innovation and access. Until such time, gold is likely to remain a favourite asset, with gold imports adversely impacting India's external trade balance.

BY- Dr. Dheeraj Kumar Bhargava

School owner held for raping daughter

GHAZIABAD: A 45-year-old school owner was arrested on Sunday for sexually exploiting his daughter for the past seven years in Ghaziabad. The crime came to light after his 20-year-old daughter submitted a written complaint to police on Sunday. The woman, a first year BA student of IGNOU, also submitted a video clip to police along with the complaint. Police said the clip had been candidly filmed by the woman when her father had been forcing himself upon her recently. The accused has been identified as Kishor Kumar Jha. He owns an English-medium school in Preet Vihar area in Lal Quan where he also teaches Mathematics, said police. Jha also has an 18-year-old son who studies in a college in Ghaziabad. According to police, the family belongs to Darbhanga district of Bihar and came to Ghaziabad nearly 15 years ago. The woman told police that her father used to beat her if she resisted his attempts to rape. She was also threatened with dire consequences if she ever divulged about the sexual exploitation. "The woman told us that she recently confided in her friends after being overcome with a sense of guilt. The mother of one of her friends provided her counselling and egged upon her to go to the police against her father. She subsequently filmed a video and presented it as evidence. We will send the video for tests to ascertain its veracity," said SHO, Kavi Nagar, Hemant Rai. A medical examination was conducted on the woman on Sunday, the results of which are awaited. An FIR has been registered against the accused in Kavi Nagar police station under sections 376 (rape) and 323 (voluntarily causing hurt) of IPC apart from relevant sections of Protection of Children from Sexual Offences (POCSO) Act, 2012. A local court in Ghaziabad sent the accused to judicial custody. Investigations, said police, are underway to ascertain if the woman's mother, a homemaker, was complicit with her husband in the crime. "We are enquiring from family members as to why the woman did not confide in her mother all these years and preferred to talk to her friends instead. We are also trying to ascertain whether her mother preferred to keep quiet about the incident or tried to hush it up after she confided in her," added Rai.

First day of house testing time for many

LUCKNOW: The first session of the 16th assembly in Uttar Pradesh on Monday will be a major test of their parliamentary skills of all the key faces. Those who will be observed by political pundits include governor Ram Naik, Speaker Hridaya Narain Dixit, leader of the House and chief minister Aditya Nath Yogi and the joint leader of the Samajwadi Party legislature party Akhilesh Yadav. Though none of them is new to politics, they have all donned new caps in new roles and their skills would be tested tomorrow. Naik though has already passed one test getting a new protocol for himself. The Samajwadi Party government had declined to accord the new protocol to Naik. However, this is Naik's victory outside the House. Inside, he has to walk through another test—his determination to read the full speech while addressing the joint session. Unlike governors in the past, who themselves were not much interested in reading their entire speech and would abandon it mid-way declaring that the speech may be deemed read out, the octogenarian Naik is enthusiastic and determined to read the full 50-page speech about programmes of all departments. What makes it more challenging is that opposition parties are in a mood to disrupt when he is speaking. Naik's other test will be whether the Speaker tables his objection through a message before the Assembly to the election of leader of opposition Ram Govind Chaudhary as illegal. The outgoing Speaker had already lost the election had named Chaudhary as the leader of the House, something Naik had strongly objected to. It is to be seen whether Dixit would read out Naik's objections or ignore it .If Dixit tables it, it may enrage the Samajwadi Party. The first session of the House will also be a test for Dixit himself. Though an expert in parliamentary affairs, his skills would be tested in running the House with an Opposition up in arms. Another thing crucially watched will be CM Yogi's oratorical skills.

NGT asks five-star hotels to seek CGWA permission for extracting groundwater

AGRA: The National Green Tribunal on Monday directed four five-star hotels of Agra to get approval from the Central Ground Water Authority to extract groundwater and submit a report within two weeks. The court was hearing a petition filed in September 2015 by a Delhi-based environmentalist Shailesh Singh against six luxury hotels here for allegedly drawing millions of litres of ground water illegally as well as installing tube wells without permission. The petitioner said the CGWA could not grant NOC given over exploitation of the natural resource. According to a recent report, out of 75 districts of Uttar Pradesh, 34 are "overexploited" for groundwater with Shamli and Pratapgarh districts topping the list with 140% groundwater exploitation rate, followed by Saharanpur (132%), Firozabad (117%) and Agra (113%). Talking to TBC, Singh said, "The tribunal has asked the four luxury hotels to get no objection certificate from the CGWA. Earlier, CGWA has submitted a report in the tribunal and stated that all the hotels are in the over exploited zone and it has rejected their applications in the past except for one. We will challenge CGWA in court if it gives permission to hotels in future." Last year in September, the National Green Tribunal (NGT), where the petition seeking heavy penalty on these hotels for damaging the environment is filed, had ordered UP Pollution Control Board (UPPCB) officials to inspect five-stars and submit a report. Singh has filed a case against six luxury hotel of Agra, including Oberoi, Jaypee Palace, Mansingh Palace, Radisson Blue, for drawing millions of liters of groundwater illegally as well as installing tube wells without permission.

UP bride made to strip after skin disease rumours

KANPUR: A woman was allegedly forced to strip in front of the women of her groom's family in Uttar Pradesh's Mahoba district on account of a rumour that she was suffering from leukoderma, which causes white patches on the skin. The groom, Jai Hind, who was to marry Teeja, refused to go ahead with the ceremony after one of his relatives told him that the bride was suffering from the skin condition. Hind's family also created a ruckus at the venue, and the issue was resolved after Teeja's father dragged the groom's family to the police station. Police convened a panchayat, wherein elders from both sides concluded that the wedding would take place, but only after it was ascertained that Teeja did not have the disease. The bride was then taken to a small room at the police station, where she was stripped by the groom's aunts and cousins. After the rumour was determined to be false, Hind's family, accompanied by some policemen, returned to the wedding venue, where the marriage was solemnised. Hind has since apologised to the girl's family.

High tension for visitors as power lines tower over popular parks in Ghaziabad

GHAZIABAD: Over 15 high voltage transmission towers located right inside two popular parks in Indirapuram - Green Park and Children's Park - are more than just an eyesore to anyone visiting the two places. They are potential threats to visitors, especially children, as the parks often brim with people from nearby residential areas. Spread over 16.5 acres, the two parks were formally commissioned by Ghaziabad Development Authority in December last year following frequent complaints of waterlogging in the area from residents of nearby Indian Revenue Service (IRS) society. "There used to be a swamp in the area where the parks have now been set up, with sewage overflowing from Khoda on the other side of NH-24. The stagnant water not only filled the area with an unbearable stench, but it also made the residents vulnerable to vector-borne diseases. So, GDA took the initiative to set up the parks," horticulture officer, GDA, SP Shishodia, told TBC. However, the UP Power Transmission Corporation Limited (UPPTCL) already had two transmission corridors, running parallel to each other, installed in the same area nearly 20 years ago. As the parks were meant to beautify the green belt, the project did not require the approval of the GDA board. Former GDA vice-chairman Santosh Yadav sanctioned Rs 3.5 crore for the two parks in 2015. Soil, to fill the swamp trench - which GDA engineers say was around 3.5 meters deep - was provided free-of-cost by the DMRC from construction sites of Dilshad Garden-New Bus Stand Metro corridor. The GDA also mooted the idea of introducing an artificial lake in Green Park by tweaking the original plan as enough soil was not available to fill the trench. Finally, the parks were inaugurated in December last year right under the transmission corridors. While a 220-kV transmission line carries cables from the substation located in Noida near UP Gate, another 132-kV line carries cables from the substation located in Sector 62 of Noida. Both the transmission lines are meant for power supply to Noida. "We have to keep a close watch on the kids whenever we come to the park. There are chances of electrocution from the towers. We have heard of mishaps in parks in Delhi due to unattended electric cables," said Smita Pathak, a frequent visitor. The parks were teeming with people when TBC paid a visit on Saturday morning. Green Park, which has many joyrides, is the larger and more crowded among the two. A boating facility within an artificial pond, an eatery, a rabbit nesting enclosure and an open-air gym are among the facilities available here. "The Noida division of the power transmission corporation is responsible for maintenance of both the lines. The transmission lines do not provide electricity to Ghaziabad. The lines are located at a height of more than 15 meters from the ground and chances of accidents are rare. The transmission lines are equipped with the latest technology that ensures immediate disruption of supply in case of a fault," said Yatendra Kumar, superintending engineer, UPPTCL, Ghaziabad. "The time taken for automatic disruption of supply following a fault is less than 25 milliseconds.

Massive fire breaks out in chemical factory

GHAZIABAD: A massive fire erupted in a chemical factory in Bulandshahr Industrial Areain Kavi Nagar around 10pm on Sunday. While no casualties were reported, the blaze destroyed goods worth lakhs of rupees, according to estimates. As many as 15 fire tenders were rushed to the spot from Kotwali and Sahibabad fire stations. However, the cause behind the fire could not be ascertained. "We have not been able to go inside the factory gate so far. We cannot ascertain any details about the factory," said Sanjeev Sharma, fire station officer, Kotwali Fire Station. When the last reports came in, the fire-fighting was still in progress.

Protest, counter protest held over flea market

GHAZIABAD: Two separate protests, one supporting and the other opposing the flea market in Navyug Market, were held here on Sunday. The members of Navyug Market, including the shopkeepers, and the residents claimed that the weekly flea market blocks the vehicular movement in the area. The vendors, on the other hand, cried foul against the ban imposed on them for the past two months. In the wake of the agitation, several markets including the Navyug Market, Navyug Mini Market, Sihani Gate Vyapar Mandal, Navyug Market Extension Bihari Nagarand even Chandrapuri Market remained closed. According to the members of Navyug Market Vyapar Mandal, the Sunday flee market, considered to be the largest of its kind in NCR, has been a cause of concern for a long time. Speaking to TBC, Rajeev Sharma, president, Navyug Market Vyapar Mandal and former councillor of the area said, "More than 2,000 makeshift shops in the flea market leave no space for vehicles. The market is being held since 1997. It's not just the local vendors but vendors hailing from Deoband, Bijnor, Meerut, Hapur, Muzaffarnagar and Delhi sell their stuff here." He added by saying, "They set up this market on at least 15 roads all over the area, and very recently they even occupied the service lane behind the residential flats. Once, a man died in an ambulance due to a traffic jam caused by the Sunday Market vendors." The shopkeepers further complained that the weekly flea market also raises security concerns as the area has 27 banks, 20 ATMs, four currency chests of banks.

Kanpur police to be headed by DIG rank IPS officer now

LUCKNOW: Kanpur police will now be under deputy inspector general rank IPS officer. In the fresh set of transfers which was undertaken by Yogi Adityanath government on Sunday, DIG Sonia Singh was posted as SSP Kanpur. On deputation in Uttar Pradesh, Sonia is from Nagaland cadre and got selected in the services in 2003. Akash Kulhary, has been shifted as Bareli SSP from Kanpur. SSP Bareilly Jogendra Kumar has been shifted as SP Moradabad PTC now. A total of 31 IPS were transferred late on Sunday and SPs of 15 districts were changed. Among other important changes, ADG Avinash Chandra was placed as IG Kanpur zone and his predecessor Zaki Ahmed was shifted to recruitment board. Similarly IG EOW Deepak Ratan was made DIG Varanasi range. Jawahar has been sent as DIG Jhansi range. Gonda SP Sudheer Singh was transferred to Ambedkar Nagar while SP Umesh Kumar Singh who was posted in PAC has been made chief of Gonda police now. 2009 batch officer Atul Sharma has been made Bijnaur SP and Ajay Sahani was moved out from west UP district as SP Azamgarh. Promotee IPS Anil Kumar Singh has been posted as Barabanki SP while Vaibhav Krishna has been transferred to Etawah. Amethi SP Anees Ansari has been moved to Mahoba while woman IPS officer of 2010 batch Poonam will now be Amethi SP. VK Mishra has been made SP Mathura, Sanjeev Tyagi will be SP Auraiya, Santosh Singh will be SP Chandauli, Rajiv Malhotra has been placed as SP Deoria, Vipin Tada will be SP Rampur.

Kejriwal to tour each assembly seat, meet party volunteers to re-energise cadre at grass roots

Delhi : In an effort to restructure and re-energise the party cadre at the grass roots, Delhi chief minister and Aam Aadmi Party (AAP) national convener Arvind Kejriwal will soon visit all 70 assembly segments and engage with workers. Kejriwal on Sunday night announced the decision at the party's state-level meet convened to launch the 'mera booth, sabse majboot' initiative. "All mandal adhyaksh (polling station in-charge) should appoint kshetriya adhyaksha (booth in-charge) over the next 10 days. Will visit and meet party workers in each assembly...I can cover 3-4 assembly seats in a day," Kejriwal told addressing the gathering. He spoke about a host of issues, including corruption allegations levelled against him, his cabinet colleagues and party funding. The party that caught the imagination of people due to its 'alternative' brand of politics and electoral success in a short span of four years has witnessed a dip in its fortunes over the past few months, with its fallout raising questions even over its future and existence.

Pollution notice to genset users

GHAZIABAD: The UP Pollution Control Board (UPPCB) on Tuesday issued notices to several housing societies and market complexes in Trans-Hindon areas asking them to raise the chimney heights of diesel-run gensets, so that toxic exhaust fumes do not directly enter houses or roads. Directions have also been issued to install acoustic enclosures around gensets to curb noise pollution. The notices contain guidelines for the use of heavy-duty gensets in the city. The majority of notices have been issued in Indirapuram, Vaishali, Vasundhara and Kaushambi, where the UPPCB recently conducted a survey to ascertain if genset usage norms were being properly followed. "Those who do not follow the directions will be penalised," UPPCB regional officer, Paras Nath, told TBC. Usage of gensets has gone up considerably in Ghaziabad over the past fortnight due to frequent power cuts.

FIR against those crossing safety limit in Ganga Canal

GHAZIABAD: The district magistrate has directed installation of safety barricades at the bathing ghat of the Ganga Canal in Muradnagar after an inspection on Tuesday. The DM, Ministhy S, also said that people must be booked for going beyond the safety limits in the canal. The inspection was conducted at the spot in the backdrop of recent cases where people drowned in the canal. Ministhy S ordered the irrigation department to undertake desilting work of the canal bank. The department has also been directed to install poles at a safe distance inside the waters and link them with chains. Boards cautioning visitors not to venture beyond the safe limits will also be installed in the canal. A team of officials had accompanied the DM during the inspection. Directions have been issued to register FIRs against those trying to venture beyond the safe limits in the canal. The police have also been directed to station a team of cops at the location to keep a vigil on those trying to go into deep waters.

Israel can aid Uttar Pradesh in cleaning Ganga: Envoy Daniel Carmon

LUCKNOW: Israel today evinced interest in providing assistance to Uttar Pradesh in its implementation of 'Namami Gange Programme' - the Narendra Modi government's ambitious programme to clean and rejuvenate the river Ganga. Israel's Ambassador to India Daniel Carmon who met Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath at the latter's official residence here also expressed Israel's desire to cooperate with the state in various other sectors. "Uttar Pradesh may be given assistance by Israel on the Namami Gange Programme of Prime Minister Narendra Modi that has been started for rejuvenation of Ganga," said Carmon. "Strengthening of bilateral ties with India is one of the priorities of the Israeli government," the envoy said. On his part, Adityanath said that the state government was interested in using Israel's expertise in development of agriculture, irrigation, horticulture, energy, science and technology, smart cities and other sectors. The chief minister told the visiting envoy that owing to the depleting ground water, many regions have been declared dark zones in the state.

Manoj Prabhakar resigns as UP Ranji Chief Coach

LUCKNOW: Uttar Pradesh Ranji Trophy team chief coach Manoj Prabhakar has tendered his resignation from his post, citing personal reason. The contract of former India all-rounder Prabhakar was for a maximum period of two years, but he resigned after completing one year. "Last year international cricketer Manoj Prabhakar was roped in as coach for UP's Ranji team. His contract was for a maximum period of two years, but before his contract is over, Prabhakar tendered his resignation," UPCA secretary Yudhvir Singh told PTI from Meerut. Singh said that Prabhakar cited 'personal reasons' for his resignation. Before Prabhkar, international fast bowler Venkatesh Prasad was the coach of UP Ranji team, but the team did not show any remarkable perfromance during his stint. Singh informed that UPCA will hold a meeting in June to pick a new coach. State-level players and those of international repute are being considered for this post. Uttar Pradesh had a forgettable outing last season, finishing at the seventh place in Group A.

Unlike Rahul Gandhi, I cannot turn my back on Amethi: Smriti Irani

NEW DELHI: Mocking Rahul Gandhi, BJP leader Smriti Irani today said unlike him, she cannot turn her back on the people of Amethi from where she unsuccessfully contested the 2014 Lok Sabha polls against the Congress vice president. "Three years ago I had promised the people of Amethi that I would not turn my back, Rahul Gandhi might do that. And in last three years I have been in constant touch with them and communicating with the people there," Irani said. She further said BJP performed well in the Gandhis' traditional bastion as the party won 4 out of 5 assembly seats there. Irani, who had contested the 2014 Lok Sabha election from Amethi which she lost to Gandhi, was speaking to a TV channel. Replying to a question on the closure of Rahul Gandhi's office in Amethi, Irani said his office was running on the land which was allocated for a guest house attached to a hospital. "People had many times complained to the district administration but no action was taken as the then Chief Minister Akhilesh Yadav had blocked it. But after his government was gone, the same administration said it should be closed," she said. Replying to another question, Union Textiles Minister Irani said, "We all eagerly wait for him (Gandhi) to speak and I would like to request him to please organise a debate with me on any issue". Speaking on the issue of women's security, she said that the Centre has taken many steps on the matter but there is a lot to be done.bench said. It should also report about the damage caused to the environment in the nearby villages, quantum of money required for restoration and also state the loss of revenue to the state government in terms of minerals and revenue within four weeks, the bench said.

हेल्प लाईन नंबर

गाजियाबाद प्रशासन

डीएम -	2824416
आवास -	2820106
एडीएम (सिटी)-	2828411
एडीएम (प्रशासन) -	2827016
सिटी मजिस्ट्रेट -	2827365
आयकर विभाग -	2714144
पासपोर्ट कार्यालय -	2721779

पुलिस अधिकारी

एसएसपी -	2821120, 2820157
पुलिस अधीक्षक नगर -	2854015
पुलिस अधी. यातायात-	2829520
क्षेत्राधिकारी प्रथम -	2733070
क्षेत्राधिकारी द्वितीय -	2791769
क्षेत्राधिकारी तृतीय -	9958776662
क्षेत्राधिकारी चतुर्थ -	2898131
साहिबाबाद -	2630691
कविनगर -	2711843
लिंकरोड़ -	2770310
इंदिरापुरम -	2275858
लोनी -	2600097

जीडीए

उपाध्यक्ष जीडीए -	2791114
जीडीए सचिव -	2790891

अस्पताल

सी.एम.ओ. -	2710754
सी.एम.एस. -	2730038
आपातकालीन -	2850124
कोलम्बिया एशिया -	3989896
यशोदा अस्पताल -	2750001-04
गणेश अस्पताल -	4183900
संतोश अस्पताल -	2741777
सर्वोदय अस्पताल -	2701694
जि0 अस्पताल(एम्बुलेंस)-	2730038

नरेन्द्र मोहन अस्पताल (एम्बुलेंस) 2735253
य-ोदा अस्पताल (एम्बुलेंस) 2701695
पुश्पांजली क्रांसले हॉस्पिटल 4188000
पुश्पांजली मेडिकल सेन्टर 43075600

बीएसएनएल

आदेश कुमार (जीएम) -	2755777

अग्निशमन विभाग

नगर कन्ट्रोल रूम -	2734906
कन्ट्रोल रूम-कोतवाली -	2732099
जिला कन्ट्रोल रूम -	2766898

पुलिस स्टेशन

कोतवाली -	2732088
सिहानी गेट -	2791627
कविनगर -	2711843
विजयनगर -	2740797
लिंकरोड -	9999993066
इंदिरापुरम -	2902858
साहिबाबाद -	9999993020
लोनी -	2600097
अग्निशमन विभाग -	2732099 9818702101
रेलवे इन्कवायरी -	131

नगर निगम

नगरायुक्त -	2790425,1713580

विधुत विभाग

मुख्य अभियंता -	2821025

पूछताछ

मुख्य अभियंता -	2821025

प्रेस विज्ञप्ति, समाचार, विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें। फोन नः 0120-2850800 2850297

Will benefit from rows in Samajwadi Party, BSP and win local polls: Congress

LUCKNOW: Trouble in the Bahujan Samaj Party (BSP) and the Samajwadi Party (SP) may give a boost to the ailing Congress party gearing up for civic polls in Uttar Pradesh, state Congress leaders believe. The party hopes that it will be able to regain the support of Brahmins and Muslims, who had together scripted its electoral sucess till the late eighties in the state. In the recent asssembly elections in UP, the Congress won only seven seats, recording one of its worst performances ever. But party leaders are confident that it will make its presence felt in the elections to 14 municipal corporations, headed by mayors. The election process will be completed by the first week of July. UP Congress leaders are eying three important mayoral elections in Lucknow, because it is the state capital, Varanasi, Prime Minister Narendra Modi's parliamentary constituency, and Gorakhpur, which is chief miniser Yogi Adityanath's bastion. "We are confident of staging a surprise in the urban local body polls," UP Congress spokesperson Ashok Singh said. "If the party manages to wrest Lucknow, Varanasi and Gorakhpur from the BJP in the mayoral elections, it will exponentially boost the morale of Congress workers, and at the same time strengthen the party in the urban areas of the state," he said. The party has already started looking for suitable candidates, especially young workers, who could be the future face of the party, he said. Party insiders said the prospective candidates included Viraj Das Gupta, son of former senior party leader Akhilesh Das Gupta, and Shekhar Dixit, who joined the Congress during the 2017 UP assembly election. Dixit said, "I may contest the mayoral elections, if former CM of Delhi Sheila Dikshit jee tells me to do so." Dikshit is among those steering the party in UP. Singh described Viraj as "the best choice" for the Congress. "He is the real torch bearer of the legacy of his father who was the last Congress mayor of Lucknow. Viraj will also take forward the legacy of his grandfather and former UP Chief Minister Babu Banarasi Das," he said. The party believes the expulsion of senior party leader Naseemuddin Siddiquifrom the BSP and the feud between former chief minister Akhilesh Yadav and his father would benefit the Congress. Singh hinted that Muslims might gradually drift back to the Congress, and stressed that Brahmins, who had been traditional voters of the Congress, were now getting "disillusioned" with the BJP and its policies. "This will prove to be quite beneficial for the party in the mayoral polls, and will certainly give a new lease of life to the party. The combination of Brahmins and Muslims will prove to be an effective one," the UP Congress spokesperson said. The BJP shrugged off the Congress claims. "By focussing only on three municipal corporations — Lucknow, Varanasi and Gorakhpur - the Congress has already conceded defeat in rest of the 11 municipal corporations," UP BJP spokesperson Manish Shukla said. The people of UP, Shukla said, endorsed the work being done by the government of Adityanath. "They will give another overwhelming mandate to the BJP in the urban local body elections," he said.

No political patronage to criminals, says UP CM Yogi Adityanath

GREATER NOIDA: LUCKNOW: No one will be allowed to commit crime in political patronage in Uttar Pradesh, Chief Minister Yogi Adityanath today said. "Everyone in the state knows that there is improvement in law and order," he said while replying to a question raised by SP member Nitin Agarwaldur-ing the Question Hour. "No one will be allowed to commit crime in political patronage in the state and those committing crime will be treated as criminals. There will be no discrimination," he said. On being asked by BSP Legislature Party leader Lalji Verma about number of incidents of murder, rape, dacoity and loot in the past two months, he said, "Give us one year. You might not accept here due to political reasons but you and your family must be feeling the change." However, dissatisfied with the reply, the BSP members staged a walkout. SP Legislature Party leader Ram Govind Chowdhury,

however, alleged that there was spurt in the number of crimes after the BJP came to power. "When a child has polio after birth its difficult to treat," Chowdhury said, pointing to bad law and order after the BJP formed government. He was countered by Parliamentary Affairs Minister Suresh Kumar Khanna, who said that in the earlier regime it was not polio but the entire body was diseased and the present government would treat it. Chowdhury, while appreciating Yogi for his efforts, alleged that his ministers were not giving correct replies to defame him and staged a walkout with the SP members.

Massive outages hit Trans-Hindon GZB as mercury soars

Ghaziabad: As the temperature soared to 44 degree Celsius on Monday, outages spanning hours were reported from Trans-Hindon residential townships. In the latter half of the day, several areas in Indirapuram, including Vaishali apart from Shakti Khand, Gyan Khand and Niti Khand, reeled under long power cuts. Blackouts were reported in some residential areas in Indirapuram when the last reports came in. The power discom, Paschimanchal Vidyut Vitaran Nigam Limited (PVVNL), attributed the outages to tripping of transformers and faults in feeder lines. A breakdown in the 132-kV Vaishali line was reported during the day. "We are undertaking rostering of power supply as an emergency measure. Our teams are rectifying faults round the clock.

Customs dept seizes 6 gold biscuits worth Rs 18.67 lakh

JAIPUR: Sleuths of customsdepartment on Monday seized foreign marked six gold biscuits weighing 700 grams in total and valued at nearly Rs 18.67 lakh at the Jaipur airport. The passenger had concealed the biscuits in three batteries and arrived here by Air Arabiaflight from Sharjah in the morning. According to the officials, the customs had an input on the passengers travelling with gold and later when he was frisked and his baggage was scanned properly the sleuths found these biscuits concealed in 3 batteries. "This has been a modus operandi and in past two months we had seized gold from the passengers in similar manner. The passenger Mohammad Amir is a resident of New Mandi in Muzaffarnagar, Uttar Pradesh,

who landed on Monday morning. On Sunday, customs officials had seized foreign currency including 15,075 Dirham and 2,400 Euros which is valued at Rs 4,43,858 in Indian currency from a passenger who was boarding an international flight to Sharjah.

On Day 1 of UP House, Ram Naik faces opposition paper missiles

NOIDA: LUCKNOW: The maiden session of the 17th Uttar Pradesh Vidhan Sabha started on a stormy note on Monday as opposition members led by Samajwadi Party (SP) disrupted governor Ram Naik's joint address to the two Houses, throwing paper missiles at him and shouting slogans during his 35-minute speech. However, an undeterred Naik (82) completed his speech even as marshals surrounded him and used official files to deflect the paper missiles hurled by opposition members who had

trooped into the Well of the House. They were demanding that Naik's speech make a mention of the 'deteriorating law and order situation' in the state. Carrying banners and placards, the opposition disrupted the House despite being outnumbered by the treasury benches 78 against 325 MLAs. Since it was a joint session, the opposition's strength was bolstered by 66 SP MLCs, many of whom were seen in action in the Well of the House. Naik reminded the legislators that the "whole country was watching them" as, for the first time, the proceedings of the House were being aired live on Doordarshan. But his appeal didn't cut much ice with the belligerent opposition members. Wearing the party's red cap, almost all the SP MLAs and MLCs jumped into the Well of the House moments after Naik began reading his speech. Some of them hurled paper missiles towards Naik's chair while a few others, led by Irfan Solanki, rushed menacingly towards the governor but were held back by the marshals. Despite every effort by the marshals, however, a few paper missiles did land on Naik's table. SP legislative party leader Akhilesh Yadav watched from his seat his legislators attacking the governor. Political analysts said though the UP assembly had witnessed a free-for-all in 1997, this kind of protest during the governor's address was unprecedented.

निरीक्षण में ड्यूटी से नदारद मिले सीएचसी प्रभारी

xkft ;kckn% तहसीलदार ने बुधवार को गोविंदपुरी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान सीएचसी प्रभारी समेत कई डाक्टर ड्यूटी से नदारद मिले। वहीं, अस्पताल परिसर में गंदगी का अंबार लगा था। भर्ती किए गए मरीजों के कमरों में भी साफ–सफाई की व्यवस्था नहीं थी। इसकी रिपोर्ट डीएम को भेज दी गई है। इसके अलावा एसडीएम ने मुरादनगर व नायब तहसीलदार ने भोजपुर के स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। बुधवार सवेरे आठ बजे तहसीलदार विजयशंकर मिश्रा गोविंदपुरी स्थित सीएचसी में निरीक्षण करने पहुंचे। निरीक्षण में सीएचसी प्रभारी डा. सुशील सिद्धार्थ समेत तीन डाक्टर ड्यूटी के नदारद थे। स्टाफ के दो लोग निर्धारित समय से एक घंटे बाद ड्यूटी पर पहुंचे थे। इसके बाद तहसीलदार ने ओपीडी कक्ष का जायजा लिया, जहां प्रकाश और सफाई नहीं थी। अस्पताल में पूजा व रिजवाना मरीज भर्ती थे, जिनके बेड पर बिछी चादर और तकिये का कवर गंदा था। अस्पताल परिसर में बने अधिकांश शौचालयों का ताला बंद था। एक शौचालय खुला था, जिसमें बेहद गंदगी पाई गई। अस्पताल में दिखाने आए मरीज कमल, राहुल, सरोज ने तहसीलदार को बताया कि डाक्टर अधिकांश दवाएं अस्पताल से न देकर बाहर से लिखते हैं। डाक्टरों के व्यवहार और केंद्र प्रभारी की अनुस्थिति को लेकर भी तहसीलदार को मरीजों द्वारा शिकायत की गई। निरीक्षण में ऑपरेशन थियेटर भी बंद मिला। तहसीलदार ने थियेटर के कमरे को खुलवाया तो वहां की धूल और गंदगी साबित कर रही थी कि कमरा सालों से नहीं खोला गया है। तहसीलदार ने डाक्टरों की अनुस्थिति समेत सीएचसी में मिली तमाम खामियों की रिपोर्ट डीएम को भेज दी है। बता दें कि इससे पूर्व एसडीएम के निरीक्षण में भी सीएचसी प्रभारी डा. सुशील सिद्धार्थ ड्यूटी से नदारद मिले थे। जब उन्हें पता चला कि एसडीएम निरीक्षण

करने के लिए अस्पताल में आए हैं, तो वह साढ़े नौ बजे सोते हुए उठकर आए थे। सख्त चेतावनी के बावजूद सीएचसी प्रभारी का यह रवैया सरकार की मंशा के विपरीत नजर आ रहा है। पिछले दिनों मुरादनगर स्थित सीएचसी के तत्कालीन प्रभारी डा. विकासेंदु अग्रवाल की मुख्यमंत्री से शिकायत करने के मामले में भी डा. सुशील सिद्धार्थ खासे चर्चाओं में रहे थे। हालांकि, जांच में डा. सुशील सिद्धार्थ की भूमिका ही संदिग्ध पाई गई थी। इसी कारण डा. विकासेंदु को क्लीनचिट देते हुए जांच टीम ने डा. सुशील के खिलाफ ही शासन को रिपोर्ट भेजी थी।

,lMh,e u ejknuxj lh,plh dk fujh{k.k fd;k % एसडीएम अतुल कुमार ने मुरादनगर स्थित सीएचसी का निरीक्षण किया। इस दौरान दो डाक्टर समय से ड्यूटी नहीं पहुंचे थे। एक्सरे रूम में रखी दोनों मशीनें पूरी तरह खराब थीं। अल्ट्रासाउंड मशीन सही थी, लेकिन चिकित्सक की नियुक्ति नहीं होने के कारण मरीजों को अल्ट्रासाउंड की सुविधा नहीं मिल पा रही थी। अस्पताल परिसर में साफ सफाई की व्यवस्था दुरूस्त पाई गई। जांच में सामने आया कि काफी समय से अस्पताल में एंटी रेबीज दवा मरीजों को नहीं मिल पा रही है। इसलिए मरीजों को गाजियाबाद भेजा जाता है। इसके अलावा नायब तहसीलदार अभिषेक शाही ने भोजपुर के सीएचसी का निरीक्षण किया। जहां भारी खामियां देखने को मिली।

राजस्व दस्तावेजों में झील में दर्ज है निगम से प्रस्तावित भूमि

xkft ;kckn% कण–कण में भगवान शिव का वास है, लेकिन शास्त्रानुसार उनका प्रिय धाम कैलास पर्वत है। जिस प्रकृति की रक्षा के लिए समुद्र मंथन में निकले कालकूट विष का पान कर भगवान शिव नीलकंठ कहलाए। अब उन्हीं का नाम लेकर उसी से मुंह मोड़ा जा रहा है। दरअसल, जनपद में कैलास मानसरोवर भवन बनाने के लिए नगर निगम ने जो जमीन बंजर बताते हुए प्रस्तावित की है, वह राजस्व दस्तावेजों के मुताबिक असल में झील है। ऐसे में कानूनन धारा–132 की जमीन पर निर्माण नहीं किया जा सकता, जबकि राजस्व संहिता के नियम भी आड़े आने तय हैं। पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोगों ने प्रस्ताव पर कड़ी आपत्ति जतानी शुरू कर दी है। सूबे में भाजपा की सरकार आते ही कैलास भवन बनाने का ऐलान हुआ तो गाजियाबाद नगर निगम ने दिलेरी दिखाते हुए जमीन की पेशकश की। मेयर आशु कुमार वर्मा ने मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी से मिलकर सारा हाल बताया तो चंद रोज बाद ही प्रमुख सचिव अवनीश अवस्थी ने पहुंचकर प्रस्तावित जमीन पर मुहर लगा दी थी। तत्कालीन डीएम ने 20 अप्रैल को पत्र लिखकर नगर निगम से कैलास मानसरोवर के लिए निशुल्क भूमि मांगी। बिना देर किए नगर निगम अफसरों ने इंदिरा प्रियदर्शनी पार्क के सामने की खसरा–1330 की बंजर बताते हुए 8125 वर्गमीटर जमीन देने पर बोर्ड बैठक में मुहर लगा दी। इसका प्रस्ताव भी प्रशासन को भेज दिया गया। शायद इससे पहले जमीन की नौयत देखना निगम अफसर भूल गए। खसरा संख्या–1312 की जमीन हिंडन नदी के डूब क्षेत्र की है जबकि राजस्व दस्तावेजों के मुताबिक फसली वर्ष 1360 में खसरा संख्या–1330 की जमीन झील के रूप में दर्ज है। इसकी भनक लगते ही एन्वायरमेंट एक्टिविस्ट सुशील ने डीएम से शिकायत कर स्थिति से अवगत कराते हुए स्थान चयन पर आपत्ति जताई है। सुशील ने बताया कि क्लीन गंगा मिशन के तहत अक्टूबर 2016 को सरकार ने ही गंगा और इसकी सहायक नदियों के डूब क्षेत्र तय करते हुए अनाधिकृत निर्माण हटाने के आदेश दिए थे। ऐसे में कैलास मानसरोवर भवन का निर्माण वहां कैसे हो सकता है?

जोड़े का कुंडली मिलाते समय थैलीसीमिया की भी लें जानकारी: डा. ईशा कौल

xkft ;kckn% थैलीसीमिया एक जन्मजात बीमारी है। अगर माता–पिता दोनों इस बीमारी से पीडिघ्त हैं तो उनके होने वाले बच्चे में भी इसके होने की आशंका अधिक रहती है। ऐसे में बेहतर होगा कि शादी की कुंडली मिलाते समय भावी पति–पत्नी की थैलीसीमिया संबंधित जांच करा ली जाए ताकि भविष्य में बच्चों में इसको रोका जा सके। चार से आठ साल की उम्र में थैलीसीमिया से पीडित बच्चे में बोन मैरो ट्रांसप्लांट अगर कराया जाए तो 90 फीसदी वह बेहतर जिदंगी जी सकता है। यह बातें जेपी अस्पताल की डा. ईशा कौल ने विश्व थैलीसीमिया दिवस पर आयोजित कार्यशाला में कहीं। बुधवार को कार्यक्रम में उन्होंने बताया कि थैलीसीमिया से पीडित बच्चे में अगर रोग का पता चलते ही उसका बेहतर इलाज शुरू किया जाए तो बोन मैरो ट्रांसप्लांट के 90 फीसदी सफल होने की संभावना रहती है। डा. कौल ने बताया कि जैसे–जैसे उम्र और वजन बढ़ता जाएगा ट्रांसप्लांट की

सफलता का रेशो उतना ही कम और इलाज का खर्च बढ़ता जाएगा। उन्होंने बताया कि नॉन कैंसर बीमारियों में थैलेसीमिया और ए प्लास्टिक एनिमिया प्रमुख बीमारी होती है। ए प्लास्टिक एनिमिया में शरीर का रक्त सूख जाता है। बुखार, ब्लीडिंग और कमजोरी जैसे लक्षण वाली इस बीमारी में भी मरीज को रक्त चढ़ाने की जरूरत होती है। डा. कौल ने बताया कि वर्तमान में तकनीक इतनी अपग्रेड हो रही है कि थैलीसीमिया में पचास फीसदी अन्य किसी के बोन मेरो से ट्रांसप्लांट किया जा सकता है। ट्रांसप्लांट में छह लाख से लेकर 12 लाख तक का खर्च आता है। इस मौके पर अस्पताल के संदीप शर्मा, पूर्णिमा त्यागी मौजूद रहीं।

गंगनहर में बहे युवकों की तलाश जारी

xkft ;kckn% गंगनहर में बहे दो युवकों का तीन दिन बाद भी सुराग नहीं लगा सका है। बुधवार को दिन भर पुलिस गोताखोरों की मदद से दोनों युवकों की गंगनहर में तलाश करती रही। बता दें कि सोमवार को तीन युवक स्नान करते समय गंगनहर में बह गए थे। मंगलवार को तीन में से एक युवक का शव पुलिस ने बरामद कर लिया, जबकि सुभारती युनिवर्सिटी के छात्र अभिनव व भोपुरा निवासी कालू उर्फ धर्मेंद्र का अभी सुराग

नहीं लग सका है। गंगनहर में डूबे दोनों युवकों के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। कार्यवाहक थानाध्यक्ष सरताज ने बताया कि भीषण गर्मी के चलते गंगनहर में बड़ी संख्या में लोग स्नान करने के लिए आ रहे हैं। गंगनहर घाट पर पुलिस की चौकसी बढ़ा दी गई है। घाट पर शराब पीने और गहरे पानी में स्नान करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

समरकैंप में बच्चे सीख रहे डांस

xkft ;kckn % गर्मियों की छुट्टियों के साथ ही समरकैंप भी शुरू हो गए है। स्कूलों में समर कैंप में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जा रही है। डीपीएस राजनगर स्कूल में शुरू हुए समरकैंप में बच्चों को फिजिकल एक्टीविटी सबसे अधिक कराई जा रही है। स्कूल में शुरू हुए समरकैंप में बच्चों को योगा, बैडमिंटन, टेबिल टेनिस, क्रिकेट, तैराकी, हैंडीक्राफ्ट पेटिंग आदि गतिविधियां सिखाई जा रही हैं। स्कूल की प्रधानाचार्या शशि रंजन ने बताया समरकैंप में सिखाई जाने वाली गतिविधियां छात्रों के लिए बहुत उपयोगी होता है। वहीं नीता भार्गव द्वारा कविनगर जी ब्लॉक में आयोजित अल्टीमेट समरकैंप में भी छात्रों को

डांस, पेंटिंग और एरोबिक्स सिखाई जा रही है। नीता भागर्व ने बताया समरकैंप में बच्चों को पेंटिंग, स्कैच, डांस, गायन, हैंडीक्राफ्ट का प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिसमें सबसे अधिक रूचि बच्चे डांस में ले रहे हैं। इसे सीखने और करने में उन्हें बहुत आनंद आता है।

BUREAU OFFICE
PRATEEK BHARGAVA
Bureau Chief
5, Ashok Vihar, 3rd Floor, GMS Road, Nr. Ballupur Chowk, Dehradu
Mobile:+91 8130640011
Email:prateekb@tbcgzb.com
www.tbcgzb.com
Contact for Press Release and Advertisements

BUREAU OFFICE
VIKRAM KUMAR
Bureau Chief
12/516, Friends Co-operative Society Vasundhra, Gzb (UP)
Mobile:+91 8130640077
Email:vikram@tbcgzb.com
www.tbcgzb.com
Contact for Press Release and Advertisements

Printed and Published by Dheeraj Kumar Bhargav at B.F.L. Inrotech Ltd, C-9, Sector-3 Noida, Distt. Gautam Budh Nagar and Published at 282, Sarai Nazar Ali, behind MMG Hospital Ghaziabad (U.P) 201 001. Editor: Dheeraj Kumar, Resident Editor: Manisha Bhargava**Email:editor@tbam.co.in **(RNI.No): UPBIL / 2009 / 28691 Postal Registration No. UP/GBD-80/2016-18**. Advertisement: Ph. No.: 0120-2850800, 2850297, Fax : 0120-4561000 at 67, 1st Floor, Richpal Puri, Hapur Road, Ghaziabad (U.P.)** Responsible for selection of News under the PRB Act. Reproduction in any manner, electronic or otherwise in whole in post without prior written permission is prohibited.